Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-2 | संसाधन के रूप में लोग

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. एक वर्ष में एक देश में उत्पादित की गई वस्तुओं तथा सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को क्या कहते हैं?

(अ) आर्थिक क्रियाकलाप (ब) इनमें से कोई नहीं
(स) निवेश (द) सकल राष्ट्रीय उत्पाद

2. वे क्रियाएँ जो धन अर्जित तथा व्यय करने से संबंधित होती हैं-

(अ) गैर-आर्थिक क्रियाएँ (ब) आर्थिक तथा गैर-आर्थिक क्रियाएँ दोनों
(स) इनमें से कोई नहीं (द) आर्थिक क्रियाएँ

3. यदि कोई माँ बच्चों का ध्यान रख रही है और घर की चारदिवारी में घरेलू क्रियाए कर रही है, वह किस प्रकार की क्रिया कर रही है?

(अ) गैर-बाजार क्रिया (ब) आर्थिक क्रिया
(स) बाजार क्रिया (द) गैर-आर्थिक क्रिया

4. किसी अर्थव्यवस्था का सर्वाधिक श्रम-अवशोषक क्षेत्रक कौन सा है?

(अ) कृषि ब) सूचना तकनीकी
(स) विनिर्माण (द) बायोटैक्नोलोजी

5. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा उचित है?

(अ) जनसंख्या एक दायित्व है न कि परिसंपत्ति (ब) इसमें से कोई नहीं
(स) जनसंख्या न एक दायित्व है न ही परिसंपत्ति (द) जनसंख्या एक दायित्व नहीं अपितु परिसंपत्ति है

6. जनसंख्या की गुणवत्ता निम्न में से किस पर निर्भर करती है?

(अ) जीवन प्रत्याशा पर (ब) इनमें से कोई नहीं
(स) साक्षरता दर पर (द) साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा, कौशल स्तर पर

7. पूँजी के निर्माण में शिक्षा का महत्त्व है-

(अ) स्थिर पूँजी (ब) भौतिक पूँजी
(स) मानवीय पूँजी (द) इनमें से कोई नहीं

8. व्यापार, परिवहन, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन निम्न में से किस क्षेत्र में शामिल है?

(अ) तृतीयक क्षेत्र (ब) द्वितीयक क्षेत्र
(स) इनमें से कोई नहीं (द) प्राथमिक क्षेत्र

9. भारत में लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण कौन-सा है?

(अ) राष्ट्रपति का सीधा चुनाव (ब) एकदलीय प्रणाली
(स) लोगों द्वारा अपनी सरकार का चुनाव करना (द) न्यायपालिका का नियंत्रण

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. निम्नलिखित में से कौन-सा मानव पूंजी निर्माण का भाग नहीं है?

(अ) शिक्षा (ब) स्वास्थ्य

(स) प्रवासन (द) प्रशिक्षण

रिक्त स्थान :

11. हिमाचल प्रदेश में उत्तर प्रदेश की तुलना में लोग _____ गरीबी रेखा से नीचे हैं। (अधिक, कम)

12. भारत में गरीबी को दूर करने के लिए उच्च आर्थिक विकास दर की _____ है। (आवश्यकता, आवश्यकता नहीं)

सत्य / असत्य

13. अत्यधिक जनसंख्या सदैव हानिकारक होती है।

14. वर्तमान उत्पादन कौशल और क्षमताओं के सन्दर्भ में किसी देश के कार्यरत लोगों को संसाधन के रूप में लोग कहा गया है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. बेरोजगारी शब्द की आप कैसे व्याख्या करेंगे?

16. प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों में किस तरह की विभिन्न आर्थिक क्रियाएँ संचालित की जाती हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. प्रौढ़ साक्षरता दर क्या है?

18. आर्थिक और गैर-आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. महिलाओं द्वारा किए गए गैर-भुगतान कार्य को संक्षेप में समझाए।

20. मानव पूँजी निर्माण में शिक्षा की क्या भूमिका है?

HOTS

21. क्या आप शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारों की समस्या दूर करने के लिए कुछ उपाय सुझा सकते हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-2 | संसाधन के रूप में लोग

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (द) एक वर्ष में एक देश में उत्पादित की गई वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं।
2. (द) गैर आर्थिक क्रियाओं में धन अर्जित नहीं होता और न ही उत्पादन क्रिया में काई योगदान होता है। इसलिए यह न तो गैर आर्थिक क्रियाएँ हैं और न ही दोनों। ये आर्थिक क्रियाएँ हैं।
3. (द) गैर-आर्थिक क्रिया।
4. (अ) कृषि।
5. (द) जनसंख्या एक दायित्व नहीं अपितु परिसंपत्ति है
6. (द) जनसंख्या की गुणवत्ता साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा तथा कौशल स्तर तीनों बातों पर निर्भर करती है।
7. (स) कार्य करने योग्य जनसंख्या में शिक्षा से उत्पादन क्षमता तथा नये-नये तकनीकी साधन प्रयोग करने की योग्यता में वृद्धि होती है। इस प्रकार मानवीय पूँजी के निर्माण में शिक्षा का महत्त्व है।
8. (अ) प्राथमिक क्षेत्र में प्राकृतिक साधनों का प्रयोग किया जाता है, द्वितीयक क्षेत्र में प्राकृतिक साधनों का प्रयोग कर अंतिम वस्तुएँ तैयार की जाती हैं। व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्र में शामिल नहीं हो सकते, इसलिए ये तृतीयक क्षेत्र में शमिल हैं।
9. (स) लोगों द्वारा अपनी सरकार का चुनाव करना।
10. (स) मानव पूंजी निर्माण में शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण शामिल होते हैं क्योंकि ये व्यक्ति की उत्पादकता और कौशल को बढ़ाते हैं। प्रवासन मानव पूंजी का वितरण तो प्रभावित कर सकता है, लेकिन यह उसका निर्माण नहीं करता।
11. **रिक्त स्थान :** कम
12. **रिक्त स्थान :** आवश्यकता
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. बेरोजगारी का अर्थ है जब लोग काम करने के इच्छुक हों किन्तु उन्हें रोजगार न मिले। यह स्थिति विकसित देशों की अपेक्षा विकासशील देशों में अधिक देखने में आती है।
16. प्राथमिक क्षेत्रक में कृषि, वन, पशुपालन एवं खनन आदि आते हैं। द्वितीयक क्षेत्रक में विनिर्माण शामिल है। तृतीयक क्षेत्रक में बैंकिंग, परिवहन एवं स्वास्थ्य आदि आते हैं।
17. **प्रौढ़ साक्षरता दर -** 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की दर एवं प्रतिशत जो अपने दैनिक जीवन में छोटे और सरल वाक्य पढ़ लिख और समझ सकते हैं, वह साक्षर (Literate) कहे जाते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि साक्षर व्यक्ति अवश्य कुछ निश्चित कथन पढ़ने एवं लिखने योग्य होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति हस्ताक्षर करने योग्य है किन्तु सरल वाक्यों को पढ़ने लिखने योग्य नहीं है तो वह साक्षर नहीं है। इसी प्रकार केवल पढ़ने की योग्यता से केवल लिखने की योग्यता किसी व्यक्ति को साक्षर नहीं बनाती है। साक्षरता निसंदेह लोगो की गुणवत्ता का प्रतीक है।
18. वे क्रियाएं जो देश की आय में वृद्धि करती हैं उन्हें आर्थिक क्रियाएं कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, जो क्रियाएं आय के लिए की जाती हैं उन्हें आर्थिक क्रियाएं कहा जाता है और वे क्रियाएं जो आय के लिए नहीं की जाती उन्हें गैर-आर्थिक क्रियाएं कहा जाता है। यदि कोई औरत किसी होटल में खाना बनाती है और उसे उसके लिए पैसे मिलते हैं तो यह एक आर्थिक क्रिया है। जब वह अपने परिवार के लिए खाना बनाती है तो वह एक गैर-आर्थिक क्रिया कर रही है। धन या आय कमाने के उद्देश्य से की गई क्रियाएँ आर्थिक और प्यार, सहानुभूति, कर्तव्य, देश प्रेम के लिए की जाने वाली क्रियाएँ गैर आर्थिक क्रियाएँ कहलाती है।
19. गैर-भुगतान कार्य कुल कार्य का 41 प्रतिशत है, जिनमे 30 प्रतिशत का निष्पादन महिलाएँ करती है, जो पुरुषों द्वारा किये जाने वाले निष्पादन का तीन गुना है। इस प्रकार इस असंतुलन के कारण भुगतान वाले कार्यों पर पुरुषों एवं गैर-भुगतान कार्यो पर महिलाओं का प्रभुत्व है।
महिलाओं द्वारा किए गए गैर-भुगतान कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं –

100% FREE
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

i. **घरेलू क्रियाएँ-** महिलाओं को घरलू सेवाएँ प्रदान करने की आवश्यकता होती जैसे-खाना बनाना, सफाई, धुलाई, कपड़े धोना आदि। जिनके लिए उन्हें भुगतान नहीं किया जाता है। उन्हें सब कार्य उन उत्तरदायित्व पर करने होते हैं।

ii. **सामाजिक सेवाएँ-** समाज के लाभ के लिए प्रदान की गई सेवाएँ जैसे-गरीबों को शिक्षा स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सफाई के लिए भुगतान प्राप्त नहीं होता।

iii. **सांस्कृतिक क्रियाएँ-** मानवीय रूप से कल्याण के लिए दी गई सेवाएँ के योगदान जैसे- नृत्य, नाटक, गीत आदि से उनको कोई कमाई नहीं होती।

iv. **धार्मिक क्रियाएँ-** कीर्तन, भजन, धार्मिक गान, भगवती जागरण आदि सेवाएँ भुगतान होती हैं।

v. **मनोवैज्ञानिक एवं आवश्यकताओं की संतुष्टि की क्रियाएँ-** उपरोक्त क्रियाओं के अतिरिक्त अन्य सेवाएँ जो निजी, भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक खुशी संतुष्टि के उद्देश्य से की जाती हैं वह भी भुगतान प्राप्त नहीं करती।

20. . मानव पूँजी निर्माण अथवा मानव संसाधन विकास में शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा एवं कौशल किसी व्यक्ति की आय को निर्धारित करने वाले मुख्य कारक हैं। किसी बच्चे की शिक्षा और प्रशिक्षण पर किए गए निवेश के बदले में वह भविष्य में अपेक्षाकृत अधिक आय एवं समाज में बेहतर योगदान के रूप में उच्च प्रतिफल दे सकता है। शिक्षित लोग अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक निवेश करते पाए जाते हैं। इसका कारण यह है कि उन्होंने स्वयं के लिए शिक्षा का महत्त्व जान लिया है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यह शिक्षा ही है जो एक व्यक्ति को उसके सामने उपलब्ध आर्थिक अवसरों का बेहतर उपयोग करने में सहायता करती है। शिक्षा श्रम की गुणवत्ता में वृद्धि करती है और कुल उत्पादकता में वृद्धि करने में सहायता करती है। कुल उत्पादकता देश के विकास में योगदान देती है। शिक्षा राष्ट्रीय आय को बढ़ाती है, सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ाती है तथा प्रशासन की कार्य क्षमता को बढ़ाती है।

21. शिक्षा प्रणाली में शिक्षित बेरोजगारों की समस्या दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय सहायक सिद्ध हो सकते हैं:-

i. केवल किताबी ज्ञान देने की अपेक्षा अधिक तकनीकी शिक्षा दी जाए।

ii. व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जानी चाहिए। आज मैट्रिक, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी भी रोजगार पाने में असमर्थ है।

iii. शिक्षा को अधिक कार्योन्मुखी बनाया जाना चाहिए। एक किसान के बेटे को साधारण स्नातक की शिक्षा देने की अपेक्षा इस बात का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि खेत में उत्पादन कैसे बढ़ाया जा सकता है।

iv. शिक्षा को लोगों को स्वावलंबी एवं उद्यमी बनाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

v. शिक्षा के लिए योजना बनाई जानी चाहिए एवं इसकी भावी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इसे क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

vi. रोजगार के अधिक अवसर पैदा किए जाने चाहिए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App